केंद्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग

न्यूनतम अधिगम सामग्री

कक्षा- xii विषय - हिन्दी (केन्द्रिक)

दिन	विषय - वस्तु (पाठ्यक्रम आधारित)	अधिगम प्रत्याशा	कक्षा क्रिया कलाप	अभ्यास कार्य	अध्यापक संकेत
1	विषय का सामान्य व्याकरणिक ज्ञान -1 उच्चारण, वर्तनी, मात्रा सम्बन्धी अशुद्धियाँ	शुद्ध उच्चारण , शुद्ध लेखन, मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति	व्याकरणिक स्तर पर अशुद्ध शब्दों , वाक्यों की प्रस्तुति , अशुद्धि ज्ञान ,शुद्धिकरण, शुद्ध उच्चारण का अभ्यास	सामान्यत: होने वाली अशुद्धियो वाले शब्दों एवं वाक्यों का शुद्ध रूप से लिखना और पढना	शुद्ध उच्चारणज्ञान, अनुस्वार, अनुनासिक सम्बन्धी अशुद्धियाँ, हस्व एवं दीर्घ मात्रा ज्ञान, संयुक्ताक्षारो का ज्ञान जैसे- है एवं हैं का अंतर, मे और में, नहीं, क्यों आदि में अनुस्वार का प्रयोग,हंस एवं हँस का अंतर, अल्प विराम, पूर्ण विराम आदि का प्रयोग, गृहीत ध्वनियो का ज्ञान |
2	विषय का सामान्य व्याकरणिक ज्ञान -2 शब्द और वाक्य विन्यास [उपसर्ग , प्रत्यय एवं वाक्य भेद]	उपसर्ग , प्रत्यय लगाकर शब्द रचना का कौशल वाक्य विन्यास की दक्षता	उपसर्ग , प्रत्यय का ज्ञान,शब्द रचना, शब्दों से उपसर्ग एवं प्रत्यय छाँटना, रचना के आधार पर वाक्य भेद, वाक्य रुपान्तरण	उपसर्ग/प्रत्यय, रचना के आधार पर वाक्य भेद सम्बन्धी अभ्यास प्रश्न	उपसर्ग एवं प्रत्ययों के माध्यम से शब्द रचना, उपसर्ग-प्रत्यय छाटना, नवीन शब्द रचना, उपसर्ग एवं प्रत्ययों के प्रयोग से अर्थ परिवर्तन का ज्ञान जैसे- भावुक (विशेषण) + ता(प्रत्यय) = भावुकता (संज्ञा) रचना के आधार पर वाक्य भेद, सरल, संयुक्त एवं मिश्र वाक्यों का ज्ञान, रुपान्तरण का अभ्यास |
3	वाचन एवं अवबोधन, श्रवण, कौशल (अपठित बोध)	बोध क्षमता का विकास	छात्रों का समूह विभाजन , एक समूह द्वारा अपठित अंश का पठन, प्रश्न प्रस्तुति , दूसरें समूह द्वारा उत्तर	अपठित गद्यांश एवं काव्यांश	श्रवण एवं वाचन कौशल विकास हेतु अपठित अंशो का उपयोग, अपठित अंशो को समझने एवं सटीक उत्तर देने की कला का विकास | शिक्षण - सामग्री :- अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

<table>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>प्रस्तुति</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>4</td><td>पत्र लेखन (औपचारिक)</td><td>पत्र-लेखन कला की दक्षता</td><td>पत्रों के प्रकार, विविध प्रारूप, पत्र- लेखन के विषय</td><td>विभिन्न प्रारूपों पर आधारित पत्र लिखना(कार्यालयी-- उच्चाधिकारी के नाम, संपादक के नाम, शिकायती)</td><td>विभिन्न पत्रों (औपचारिक) के प्रारूप एवं आदर्श पत्रों के नमूने शिक्षण-सामग्री :- श्यामपट्ट ,कंप्यूटर, आदर्श पत्र-लेखन के नमूने |</td></tr>
<tr><td>5</td><td>जनसंचार और माध्यम (अभिव्यक्ति और माध्यम)</td><td>संचार जन-संचार के विविध माध्यमो से परिचय, महत्व एवं वैशिष्ट्य का आकलन</td><td>कंप्यूटर आधारित शिक्षण के द्वारा विषय-बिंदुओं की प्रस्तुति, समाचार-पत्र का उपयोग</td><td>छात्रों को समूह में विभाजित कर पाठो पर आधारित प्रश्न-बैंक की रचना</td><td>समाचार-पत्र के द्वारा मुद्रित माध्यमों की लेखन शैली के उदाहरण प्रस्तुत करना, कंप्यूटर, सी०डी० द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जानकारी देना | प्रश्न बैंक की रचना (समूह कार्य के अंतर्गत) शिक्षण-सामग्री :- कंप्यूटर आधारित शिक्षण |</td></tr>
<tr><td>6</td><td>सृजनात्मक लेखन-आलेख, फीचर एवं निबंध</td><td>रचनात्मक लेखन कौशल का विकाश</td><td>आलेख, फीचर एवं निबंध की लेखन शैलियाँ, लेखन की इन शैलियों का विभेद</td><td>विभिन्न विषयों पर रचनात्मक लेखन का अभ्यास</td><td>रचनात्मक लेखन की विविध शैलियों का उल्लेख, परिभाषा, महत्व, रचना शैली का विशद परिचय, (आलेख, फीचर, निबंध) शिक्षण - सामग्री :- कंप्यूटर आधारित शिक्षण</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>पाठ्य पुस्तक आधारित गद्य खण्ड, पुस्तक-आरोह (गद्य)</td><td>गद्य कौशल एवं साहित्यिक विधाओं का परिचय</td><td>विधा, वैशिष्ट्य, अर्थ बोध, उददेश्य, प्रासंगिता</td><td>पाठ एवं लेखक का नाम, पाठ के मूल बिंदु से जुड़ाव (चार्ट रचना)</td><td>निम्नलिखित प्रारूप पर आधारित चार्ट रचना(आरोह गद्य खण्ड)
<table>
<tr><td>पाठ का शीर्षक</td><td>लेखक/ लेखिका का नाम</td><td>पाठ की विधा</td><td>पाठ का आधार बिन्दु</td><td>पाठ का उददेश्य</td></tr>
<tr><td>भक्तिन</td><td>महादेवी वर्मा</td><td>संस्मरणात्मक रेखाचित्र</td><td>भारतीय समाज में</td><td>नारी सशक्तिकरण</td></tr>
</table></td></tr>
</table>

<table>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>
<table>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>आम नारी की स्थिति, सामाजिक विसंगतियों का चित्रण</td><td></td></tr>
</table>
इसी आधार पर सभी पाठो का चार्ट तैयार किया जाए |
</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>पाठ्य पुस्तक आधारित काव्य खण्ड, पुस्तक-आरोह (काव्य)</td><td>विविध काल-खंडो की कविताओं के आस्वादन का गुण , सौन्दर्य बोध का विकास</td><td>काव्य सौन्दर्य के उपादानों का परिचय,यथा-रस , छन्द,अलंकार, भाषा, शब्दावली, बिम्ब, प्रतीक, काव्य शैलियाँ</td><td>कवि एवं कविताओं का शीर्षक, भाव एवं काव्य-सौन्दर्य विषयक (चार्ट रचना)</td><td>
विविध कालक्रम के कवियों की कवितायों का परिचय, काव्य-सौन्दर्य के विभिन्न उपादानों का परिचय | यथा-
<table>
<tr><th>कविता का शीर्षक</th><th>कवि</th><th>कविता का मूल भाव</th><th>काव्य-सौन्दर्य</th></tr>
<tr><td>आत्म परिचय</td><td>हरिवंश राय “बच्चन”</td><td>कवि का आत्मकथ्य, अपने व्यकितगत एवं व्यावसायिक रूपों का परिचय</td><td>भाषा-खडी बोली साहित्यिक हिन्दी शब्दावली-तत्सम एवं तदभव,रस-श्रृंगार(वियोग पक्ष) छंद-मुक्त अलंकर-विरोधाभाष, रूपक, शलेष, मानवीकरण, अनुप्रासशैली-भावात्मक, आत्मकथात्मक विम्ब- दृश्य,</td></tr>
</table>
</td></tr>
</table>

								ध्वनि
9.	पूरक पाठ्य पुस्तक वितान	गद्य लेखन की विविध विधाओं का परिचय, वाचन- कौशल	पाठों की विधाओं का परिचय, उददेश्यो पर चर्चा, जीवनानुभव प्रस्तुति	कक्षा में समूह विभाजन, समूह कार्य के रूप में प्रश्नों एवं आदर्श उत्तरों की रचना	वितान (पूरक पाठ्य पुस्तक) के पाठों को पढने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना, साहित्यिक समझ का विकास, पाठों की प्रासंगिकता एवं उददेश्य पर विशेष बल, समूह कार्य के अन्त्रगत प्रश्न-बैंक की रचना			
10.	पुनरावृति एवं अनुवर्ती क्रियाएं	अब तक सीखे गए ज्ञान का मूल्याँकन	संपूर्ण कक्षा को विविध समूहों में विभाजित कर प्रत्येक दिन की न्यूनतम अधिगम सामग्री की पुनरावृति, सार प्रस्तुति, प्रश्न-पत्र प्रारूप, अंक विभाजन, उत्तर की शब्द सीमा समय विभाजन पर चर्चा	व्यक्तिगत विषयगत काठिन्य निवारण (अध्यापक की सहायता द्वारा)	कक्षा के विद्यार्थियों से इस न्यूनतम अधिगम सामग्री पर विचार सुझाव			